

15/5/18 पञ्जावली राजस्व लेख अक्षरों के साथ
 नानपर में उस्तुत हई। पदकारण
 नि. वेल्की मोके पर उपस्थित हई। विवादित
 नि. मोके श्रे अम्बन्धित लक्ष पत्र,
 न. 9. प्रा. पत्र एवं 128 G.R.A-1
 नि. मोके उपर्युक्त शर्ती शाय ज. पत्र उस्तुत
 कोर पर विडो किये जा
 नि. मोके चके हई उपर्युक्त में TDR शाय
 श्रे गठित कर विवादित शाय

3) म कु
 मुन्नी

में 1/2 का शीतलान। पत्र गठी करहि
 जा रही हई। शर्ती इन कार्यवाही
 से सन्तुष्ट हई। अतः ज. पत्र 136
 L.R सेट्टे शर्ती किये जाता हई।
 पञ्जावली मेमल शाय लेकर
 नानपर से कम हई।

पुनश्च पञ्जावली का अवलोकन किया
 गया। शर्ती शाय उक्त उपर्युक्त में नक्शा
 शीट में तस्मीम दुरस्त किये जाने का
 मनतोष चाहा हई। अतः से अन्य उपर्युक्त
 की कार्यवाही आदेशिका में दर्ज हो गई
 हई, अतः आदेशिका सब दुरस्त की
 जाती हई।

सहजीलदार अपोय्य (लेण्ट चेन्डर) ने

जबाब उस्तत कर कथन किया हे कि
शान भैरोपुग की नक्शा शीट में विवादिता
शकस्य नम्बरान की जो तरमीम की हुई
हे, वह जमाबन्दी में दर्ज शकते से मेल
नही शकती हे स्व नक्शे में की हुई
तरमीम की शकवा बगरी करणे पर शकवा
सही नही बैठता हे, इसलिए नक्शा शीट
में की हुयी तरमीम शकारिज करने योग्य हे।

पशावली एवं तहकीलदार शपोश्य के
जबाब का शतलेकन किया गया।
विवादिता शाराजोपात शर्धीगण की शवाधिरी
की दर्ज शकार्ड हे, किन्तु नक्शा शीट
में दर्ज शकते के शनुशार तरमीम सही
नही हे, शिके दुरस्त करणे का शर्धीगण
का शधिकार हे। इसलिए शर्धिना पर
शर्धीगण शवीकार किये जाने योग्य हे।

शतः श. पश शर्धीगण शवीकार किये
जाकर शान भैरोपुग के मा. शव. न.
 $\frac{245}{22}$ शकवा 10 बीधा, शव. न. $\frac{245}{4}$ शकवा
15 बीधा, शव. न. $\frac{245}{3}$ शकवा 12 बीधा
8 विश्वा की गलत तरमीम को निरस्त
किये जाता हे। तहकीलदार शपोश्य
को शोश्य दिये जाते हे कि शान
भैरोपुग तह. शपोश्य के नक्शा शीट

तारीख हुक्म कि प्रहारात्मक	हुक्म या कार्यवाहीमदेइनिशियल्स	नम्बर व अहकामज की तामीलमेंज
	<p> में उक्त शक्या नम्बर की तरतीफ मुताबिक राजस्व रिक्वाइरे एवं मोका निशान की जोषी नियम से केप केट शुनाया गया पञ्चावली केवल शमार दो नम्बर से कम हो </p> <p style="text-align: right;"> <i>Riy</i> </p>	